शायराना उदयपुर का अनूठा स्नेह मिलन कार्यक्रम

उदयपुर (पुकार)। शहर में शेरो शायरी करने के शौकीन तथा फिल्मी संगीत के साथ गीत गाने के लिए मंच की तलाश करने वालों के लिए पिछले 15 सालों से शायराना उदयपुर प्रतिमाह निः शुल्क साहित्य संगीत संध्या का आयोजन करता है और इसमें शहर के महिला पुरुष बालक बालिका युवक युवतियों अपनी कला का प्रदर्शन कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर देते हैं।

शायराना उदयपुर की ओर ऐश्वर्या कॉलेज के संभागार में आयोजित संगीत समारोह में खेरवाड़ा, कोटा, नाथद्वारा, राजसमंद आदि जगह से आए कलाकारों ने भी कविता शायरी और गीतों से समूह के श्रोताओं का मन मोह लिया।

समारोह की अध्यक्षता ऐश्वर्या कॉलेज की डायरेक्टर श्रीमती सीमा सिंह ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में रिटायर्ड आर एस दिनेश कोठारी पूर्व चांसलर उमाशंकर शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सोनी, अतिरिक्त कमिश्नर टीएडी गीतेश श्री मालविया थे। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी एस सिंह चौहान थे।

संगीत समारोह में नाथद्वारा राजसमंद से आई क्षण प्रभा पालीवाल ने इस वंदना के साथ फिल्मी गीत मेरी आवाज ही पहचान है गाकर मौजूद स्रोताओं को रोमांचित कर दिया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेश सोनी ने फिल्म पड़ोसन का गीत तुम ही तो लाई हो मेरे जीवन में बहार और और एक अन्य गीत सुना कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया वही किशोर न्याय बोर्ड के न्याय मित्र एडवोकेट हरीश पालीवाल ने मुक्ति फिल्म का गीत सुहानी चांदनी रातें हमें सोने नहीं देती सुना कर मन जीत लिया। कार्यक्रम में उन्होंने दो शायरियां भी सुनाई। जख्म भले ही अलग-अलग है लेकिन दर्द बराबर है कोई फर्क नहीं पड़ता तुम सह लो या मैं सह लूं और आंखों की दहलीज पर आकर सपना बोला आंसू से। घर तो आखिर घर होता है तुम रह लो या मैं रह लूं सुन कर सदन में दर्द का एहसास कराया।

खेरवाड़ा से आए कवि भारत कुमार मीणा ने वीर रस और श्रृंगार की कविताएं पढ़ी। डॉ प्रदीप कुमावत ने अंतर्मन पर लिखी कविता का वाचन किया।

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने गजल गायक देवेंद्र हिरण एवं मुकेश वैष्णव ने फिल्म बाजार और जगजीत सिंह की गजल ले सुन कर माहौल को खुशनुमा बना दिया इनकी जुगलबंदी से दर्शक काफी देर तक आनंद लेते रहे। कार्यक्रम में ललित कोठारी ने फिल्म एतबार की गजल सुनाई वही मनीषा बदल और ज्योत्सना जैन ने गीत गाकर रोमांचित किया।

कार्यक्रम के दौरान सिटी प्राइड पब्लिक स्कूल के बच्चों ने महाराणा प्रताप के जीवन प्रसंग पर लघु गीत सुनकर प्रेरित किया।

कार्यक्रम में में आए सभी अतिथियों का ऊपरणा नोएडा कर सम्मान किया। समारोह में कई सेवानिवृत्ति प्रशासनिक अधिकारी वर्तमान में कार्यरत सरकारी अधिकारी कर्मचारी और अधिकारी एडवोकेट गगन सनाढ्य, मंजूर हुसैन शेख, प्रदीप पानेरी, डॉ प्रदीप कुमावत, माया कुंभट, डॉ सुमन अचलिया, निषित चपलोत, अनिल माथुर, मोहन सोनी, कोटा के उत्पल सिंह चौहान, सीपी गंधर्व, अमित यादव, पार्षद मुकेश शर्मा ने मधुर गीतों शायरी छंद दोहो से समां बांध दिया। इस अवसर पर सहित सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ज्योत्सना जैन व मनोज आंचलिया ने किया। कार्यक्रम के अंत में मोहन सोनी ने बैजू बावरा का गीत सुना कर हाल को तालिया से गूंजने के लिए विवश कर दिया।

दैनिक भास्कर उदयपुर 01-05-2025

शायराना शाम • कलाकारों ने ऐश्वर्या कॉलेज में जज्बात, रूह व राग से सजाई यादगार सुरों की महफिल

गीत, साहित्य-संगीत संध्या में डूबे श्रोता, कलाकारों, अफसरों व वकीलों ने सुनाए नए पुराने गीत व गजल

सिटी रिपोर्टर| उदयपुर

'शायराना उदयपुर' संस्था की ओर से ऐश्वर्या कॉलेज के सभागार में एक भावभीनी साहित्य-संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गीत, गजल और शायरी की सुरमयी महफिल सजी, जिसमें खेरवाड़ा, कोटा, नाथद्वारा और राजसमंद के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत नाथद्वारा की क्षण प्रभा पालीवाल ने वंदना और भावपूर्ण गीत 'मेरी आवाज ही पहचान है' से की, जिसने पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सोनी ने फिल्म 'पड़ोसन' का लोकप्रिय गीत 'तुम ही तो लाई हो मेरे जीवन में बहार' गाकर श्रोताओं को अपनी गायन प्रतिभा से परिचित कराया। किशोर न्याय बोर्ड के न्याय मित्र, एडवोकेट हरीश पालीवाल ने फिल्म 'मुक्ति' का मधुर गीत 'सुहानी चांदनी रातें हमें सोने नहीं देती' प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुत की गई दो शायरियां... 'जख्म भले ही अलग-अलग हैं लेकिन दर्द बराबर है' और 'आंखों की दहलीज पर आकर सपना बोला आंसू से, घर तो आखिर घर होता है' ने श्रोताओं की आंखें नम कर दीं।

खेरवाड़ा के कवि भारत कुमार मीणा ने वीर और श्रृंगार रस से सजी कविताएं सुनाकर अलग ही रंग घोला। डॉ. प्रदीप कुमावत ने आत्ममंथन से उपजी कविताएं प्रस्तुत कर श्रोताओं के अंतर्मन को छू लिया। शहर के गजल गायक देवेंद्र हिरण और मुकेश वैष्णव की जुगलबंदी ने जगजीत सिंह की गजलों और फिल्म 'बाजार' के गीतों से संगीतमय समां बांधा। ललित कोठारी ने फिल्म 'एतबार' की मशहूर गजल सुनाई, वहीं मनीषा बदल और ज्योत्सना जैन की सधी हुई गायकी ने शाम को और भी रंगीन बना दिया। इस साहित्यिक-संगीतात्मक संगम ने श्रोताओं को एक ऐसी शाम दी, जो लंबे समय तक स्मृतियों में बनी रहेगी।

बच्चों ने महाराणा प्रताप के जीवन प्रसंग पर लघु गीत प्रस्तुत कर प्रेरणा दी

निजी स्कूल के बच्चों ने महाराणा प्रताप के जीवन प्रसंग पर लघु गीत प्रस्तुत कर प्रेरणा दी। समारोह में आए सभी अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में कई सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, वर्तमान में कार्यरत सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और वकील शामिल हुए। इनमें एडवोकेट गगन सनाढ्य, मंजूर हुसैन शेख, प्रदीप पानेरी, माया कुंभट, डॉ. सुमन अचलिया, निशित चपलोत, अनिल माथुर, मोहन सोनी, कोटा के उत्पल सिंह चौहान, सीपी गंधर्व, अमित यादव, पार्षद मुकेश शर्मा शामिल रहे। सभी ने मधुर गीतों, शायरी, छंद और दोहों से समां बांधा। समापन पर मोहन सोनी ने फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत गाकर हाल को तालियों से गूंजा दिया। शायराना उदयपुर के

संस्थापक मनोज गीतांकर ने बताया कि यह कार्यक्रम पिछले 15 वर्षों से हर माह के अंतिम रविवार को ऐश्वर्या कॉलेज, आरटीओ के पास निशुल्क आयोजित किया जाता है।

सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहे मुख्य अतिथि : कार्यक्रम में सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीएस सिंह चौहान मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता कॉलेज की डायरेक्टर सीमा सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रिटायर्ड आरएस दिनेश कोठारी, पूर्व चांसलर उमाशंकर शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सोनी, अतिरिक्त कमिश्नर टीएडी गीतेश श्री मालविया मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योत्सना जैन और मनोज आंचलिया ने किया।

पत्रिका

शायराना उदयपुर का स्नेह मिलन कार्यक्रम

उदयपुर @ पत्रिका. शहर में शेरो-शायरी करने के शौकीन और फिल्मी संगीत के साथ गीत गाने के लिए मंच की तलाश करने वालों के लिए पिछले 15 सालों से शायराना उदयपुर प्रतिभा संगीत संध्या का आयोजन करता है। इसमें शहर के महिला-पुरुष, बालक-बालिका, युवक-युवतियां अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। रविवार को ऐश्वर्या कॉलेज के संभागों में आयोजित संगीत समारोह में खेरवाड़ा, कोटा, नाथद्वारा, राजसमंद आदि जगह से आए कलाकारों ने प्रस्तुति दी। अध्यक्षता कॉलेज डायरेक्टर सीमा सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि रिटायर्ड आरएएस दिनेश कोठारी, पूर्व चांसलर उमाशंकर शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सोनी थे। मुख्य अतिथि सेवानिवृत जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीर सिंह चौहान थे।

नाथद्वारा की प्रभा पालीवाल ने मेरी आवाज ही पहचान है गाकर श्रोताओं को रोमांचित कर दिया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेश सोनी ने फिल्म पड़ोसन का गीत तुम ही तो लाई हो मेरे जीवन में बहार..., किशोर न्याय बोर्ड के न्याय मित्र एडवोकेट हरीश पालीवाल ने सुहानी चांदनी रातें हमें सोने नहीं देती.... सहित गीत और शायरी सुनाई। खेरवाड़ा के कवि भारत कुमार मीणा ने वीर रस और श्रृंगार की कविताएं पढ़ी।

01/05/2025 | Udaipur City | Page : 6
Source : https://epaper.patrika.com/